महत्वपूर्ण एवं खास

मुख्यमंत्री साय ने किया मां दंतेश्वरी की पूजा-अर्चना

दंतेवाड़ा-रायपुर (आरएनएस)। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के मौके पर एक दिवसीय दंतेवाड़ा प्रवास पर पहुंचे। यहां उन्होंने सम्पूर्ण विधि-विधान से बस्तर की आराध्य देवी मां दंतेश्वरी की पूजा-अर्चना की और प्रदेशवासियों के सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की। इस मौके पर विधायक चैतराम अटामी, विधायक चित्रकोट विनायक गोयल तथा अन्य जनप्रतिनिधियों सहित कमिश्नर बस्तर श्याम धावड़े, आईजी बस्तर रेंज सुंदरराज पी., आयुक्त जनसम्पर्क मयंक श्रीवास्तव, कलेक्टर मयंक चतुर्वेदी,पुलिस अधीक्षक गौरव राय, जिला पंचायत सीईओ कुमार बिश्वरंजन तथा जिला प्रशासन के अधिकारीगण मौजूद थे। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने दंतेवाड़ा के जावंगा स्थित ऑडिटोरियम में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर आयोजित बस्तर फाइटर्स एवं दंतेश्वरी फाइटर्स की महिलाओं और स्कूली बच्चों से संवाद कार्यक्रम का शुभारंभ भी किया।

बस्तर के सभी जिलों के मुख्यालयों में माँ दंतेश्वरी शक्ति केंद्र की घोषणा

रायपुर (आरएनएस)। पालनार, बड़ेगुडरा में 100 -100 सीटर कन्या छात्रावास, समेली , मडक़ामिरास में 25-25 सीटर प्री मैट्रिक छात्रावास ,जंगमपाल और मारज़ूम में 50-50 सीटर छात्रावास बरगुम, कोटाली , नहाड़ी में आश्रम छात्रावास का पुन: निर्माण। जावंगा के नवीन महाविद्यालय का नामकरण वीरांगना मासक देवी। अरनपुर, रोंजे और गंजेनार में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र। संभाग के सातों जिलों में आवश्यकता अनुसार दो-दो उप स्वास्थ्य केंद्र। दंतेवाड़ा के फाल्गुन मड़ई के लिए दस लाख रुपये के लिए घोषणा।

कलेक्टर साहू ने किया महाशिवरात्रि पर भगवान शिव की पूजा

सारंगढ़ बिलाईगढ़। कलेक्टर धर्मेश कुमार साहू ने महाशिवरात्रि के विशेष दिवस पर भगवान शिव भोलेशंकर का पूजन किया। सारंगढ़ के रायपुर रोड स्थित इस मंदिर में कलेक्टर साहू ने पारवरिक सदस्यों के साथ सामान्य नागरिकों की तरह अपने क्रम में भगवान शिव का पूजा किए। इस अवसर पर मंदिर परिसर का वातावरण भक्तिमय था। इस विशेष पर्व पर विश्व भर के शिव मंदिरों में भक्तों और श्रद्धालुओं का आस्था, उल्लास और भक्ति दिखाई देता है।

राजिम कुंभ का आज समापन : कुलेश्वर महादेव का दर्शन-पूजन करने उमड़ी भीड़

राजिम-रायपुर (आरएनएस)। महाशिवरात्रि के अवसर पर आज कुलेश्वरनाथ मंदिर में भक्तों की भारी भीड़ उमड़ी है. भगवान भोलेनाथ के दर्शन-पूजा कर भक्त परिवार की खुशहाली की कामना कर रहे. वहीं राजिम कुंभ कल्प में साधु संतों ने भव्य शोभायात्रा निकाली। बता दें कि देशभर से साधु संत राजिम कुंभ कल्प पहुंचे हैं. बड़ी संख्या में विदेश से भी पर्यटक पहुंचे हैं. महाशविरात्रि पर शोभायात्रा के दौरान नागा साधुओं ने शौर्य प्रदर्शन किया. विशाल शोभायात्रा को देखने लाखों की संख्या में लोग पहुंचे हैं. आज शाम को राजिम कुंभ कल्प का समापन होगा. समापन समारोह में राज्यपाल शामिल होंगे।

दर्री में महिलाओं का सम्मान, कुसमुंडा में कल कार्यक्रम

कोरबा (आरएनएस)। एचटीपीपी दर्री संयत्र में बिजली कर्मचारी संघ के द्वारा महिला कर्मियों का सम्मान किया गया। इस दौरान विभाग प्रमुख डी व्यकंटराव, भामसं जिला अध्यक्ष अजय मिश्रा, केदार राठौर, हेतराम खुंटे, सुरेश साहू सहित अन्य कार्यकर्ता मौजूद थे। कल महिला दिवस पर कुसमुण्डा में भी 500 महिला कर्मियों का सम्मान किया जायेगा। बीकेकेएमएस के द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में राष्ट्रीय सचिव राधेश्याम जायसवाल, टिकेश्वर राठौर, नवरतन बरेठ, अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। कार्यक्रम को सफल बनाने में अश्वनी मिश्रा, अशोक सूर्यवंशी, रजंय सिंह, अमिया मिश्रा, प्रितम सहित अन्य कार्यकर्ता जुटे हुए है।

नक्सल विचारधारा से तंग आकर पुलिस कमांडो बनी राजकुमारी

नक्सल संगठन में रहते हुए भी आपने 15 वर्षों तक ऊर्जा बचाए रखी आपको प्रणाम : मुख्यमंत्री

❒ गलत होने का जल्द ही अंदाज़ा हुआ, इसलिए आत्मसमर्पण किया : मुख्यमंत्री से बोलीं सुमित्रा

रायपुर । आरएनएस

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के मौके पर दंतेवाड़ा के जावंगा में बस्तर फाइटर्स एवं दंतेश्वरी फाइटर्स से चर्चा संवाद कार्यक्रम में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय से अपने जीवन का अनुभव साझा करते हुए राजकुमारी ने बताया कि उन्होंने नक्सल विचारधारा से तंग आकर पुलिस कमांडो बनने की ठानी। सुमित्रा ने बताया कि मैं एक समय में स्वयं ही नक्सली थीं, मुझे अपने गलत होने का जल्द ही अंदाज़ा हो गया इसलिए मैंने आत्मसमर्पण कर दिया।

राजकुमारी ने बताया कि उनकी सगाई 17 वर्ष की उम्र में ही करा दी गई थी, वह शादी नहीं करना चाहती थी, इसलिए नक्सलियों के दल में शामिल हो गई। राजकुमारी ने कहा कि जल्द ही मैं आतंकवादी विचारधारा दूर होने लगी, क्योंकि उनके साथ रहते-रहते बार-बार असुरक्षा और भोजन की कमी का सामना करना पड़ता था। मैंने अपने तीन दोस्तों के साथ नक्सलियों के दल से भागने की योजना बनायी, क्योंकि मैंने ये देखा था कि नक्सली के साथ शादी करने से मना करने पर कैसे लडक़ी को मार दिया गया। मैंने भागकर पुलिस के सामने आत्मसमर्पण कर दिया। समर्पण नीति का फायदा लेकर मैं आज पुलिस कमांडों हूं। बाद में मेरे तीनों साथी भी भाग गए।

नक्सलवाद की राह छोडक़र पुलिस में नौकरी पाने वाली सुमित्रा ने बताया कि एक समय मैं स्वयं ही नक्सली थीं। मुझ पर पांच लाख रूपए का ईनाम घोषित था। मैं 2004 से लेकर 2018 तक नक्सली गतिविधियों में सक्रिय रहीं। इसी दौरान मुझे नक्सल विचारधारा के खोखलेपन का एहसास हुआ। सरकार की अच्छी नीति और पुलिस के प्रयास से समझ में आया कि सरकार की आत्मसमर्पण नीति बहुत कल्याणकारी है, तो अंतत: मैंने आत्मसमर्पण कर दिया और समर्पण नीति के अनुरूप मुझे पुलिस में नौकरी मिल गई।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने राजकुमारी और सुमित्रा की बात सुनकर कहा कि मैं आप दोनों को सेल्यूट करता हूं। आपने कठिन परिस्थितियों में भी अपने हौसले नहीं छोड़े।

मुख्यमंत्री ने राजकुमारी से कहा कि आप केवल इसलिए नक्सलवादी बन गई क्योंकि आप छोटी उम्र में शादी नहीं करना चाहती थीं। यह दुर्भाग्य की बात है कि समाज में आज भी बाल विवाह की कुप्रथा जारी है। अब ऐसा नहीं होगा। हमारी सरकार ने छत्तीसगढ़ से बाल विवाह की कुप्रथा का पूरी तरह उन्मूलन करने के लिए अभियान शुरू करने का निर्णय लिया है।

मुख्यमंत्री साय ने सुमित्रा से कहा कि आपने 15 साल नक्सली बनकर जंगल की खाक छानी और अब आप पुलिस में हैं, बल्कि आप दंतेश्वरी फाइटर हैं। मैं अक्सर सुनता हूं कि नक्सली संगठन में महिलाओं को सामान्य वैवाहिक जीवन जीने नहीं देते, उन्हें गर्भधारण करने से जबरदस्ती रोका जाता है। इतना शोषण सहने के बावजूद आपके अंदर की दुर्गा, या ये कह लें कि माँ दंतेश्वरी, सदैव आपके नारीत्व की ऊर्जा को न सिर्फ बनाये रखीं बल्कि बढ़ाती रहीं, कि आप के अंदर योद्धा बनने की ऊर्जा 15 साल बाद भी बची रही, आप दंतेश्वरी फाइटर्स बनीं। मैं आपकी ऊर्जा को प्रणाम करता हूं। यही ऊर्जा महिलाओं को अद्वितीय बनाती है। मुख्यमंत्री ने दोनों की हिम्मत और समर्पण को सैल्यूट किया।

छत्तीसगढ़ में लगातार हो रही भाजपा नेताओं की हत्या, मंत्री केदार कश्यप बोले- इस तरह की घटना न हो ये कोशिश रहेगी, टारगेट किलिंग कोई छोटा-बड़ा नहीं होता

रायपुर (आरएनएस)। मंत्री केदार कश्यप ने नक्सली घटनाओं में लगातार भाजपा नेताओं की हो रही हत्या को लेकर बयान दिया है. उन्होंने कहा कि इस तरह की घटना न हो ये कोशिश रहेगी. टारगेट किलिंग कोई छोटा-बड़ा नहीं होता, सभी एक बराबर होते हैं. हमारे बड़े नेताओं ने अपनी कुर्बानी दी है. वहीं उन्होंने अपनी सरकार की योजना और आगे की रणनीति को लेकर कहा कि हमने जनता से जो वादा किया था उसको पूरा कर रहे हैं. इसके साथ ही मंत्री कश्यप ने पीसीसी चीफ दीपक बैज के बयान पर पलटवार करते हुए अन्य मुद्दों पर बयान दिया है.

अग्रिम रणनीति को लेकर मंत्री केदार कश्यप ने कहा कि ये चुनावी रणनीति नहीं है. लोगों को जो वादा किया था, गारंटी दी थी उस संकल्प को पूरा करने तय किया है. चाहे महतारी वंदन हो या किसान भाइयों को 29 सौ का भुगतान हो. ये संकल्प हम 100 दिनों के अंदर पूरा कर रहे हैं, कांग्रेस तो चुनावी रण से बाहर है.

कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैज के बयान पर केदार कश्यप ने कहा कि नाराजगी किसके साथ में है, क्या है ? यह दीपक बैज बता पाएंगे. वो अपना कुनबा नहीं संभाल पा रहे हैं. कवासी लकमा, मोहन मरकाम को नहीं संभाल पा रहे हैं. वो तय नहीं कर पा रहे हैं कि बलि का बकरा किसको बनाया जाए.

नक्सली घटना को लेकर मंत्री केदार कश्यप ने कहा कि अभी जो घटना घटी है, वह दुखद है. इस तरह की घटना न हो ये कोशिश रहेगी. इन सब की चिंता की जा रही है. जहां लगता है कोई टारगेट किलिंग स्थिति है. जैसे पखांजूर में घटना घटी और दोषी सामने आया है. उसकी जांच कार्रवाई की जाएगी. टारगेट कोई छोटा बड़ा नहीं होता सभी एक बराबर होते हैं. हमारे बड़े नेताओं ने अपनी कुर्बानी दी है.

कांग्रेस के प्रदर्शन को लेकर मंत्री कश्यप ने कहा कि कांग्रेस ने जिस तरीके से 5 वर्ष में लुटने का काम किया और प्रदेश को चलाया है. भाजपा लोकतांत्रिक पार्टी है, कार्यकर्ता की पार्टी है और कार्यकर्ता ही पार्टी चलाते हैं. मंत्री केदार कश्यप ने न्योता भोज को लेकर कहा कि बहुत अच्छा नवाचार है. हम अपने नौनिहाल और संस्थाओं के कार्यक्रम को न्योता के माध्यम से चला रहे हैं. जवाबदारी बनती है जैसा पूर्व में चलता था, उसके हिसाब से यह कार्यक्रम चल रहा है.

केन्द्रीय गृहमंत्री से भाजपा नेताओं ने मांगी जेड श्रेणी की सुरक्षा

भारतीय जनता पार्टी बीजापुर के अध्यक्ष श्रीनिवास मुदलियार ने केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह को पत्र प्रेषित कर भाजपा के 9 पदाधिकारियों को जेड श्रेणी की सुरक्षा प्रदान करने की मांग की है। जिले में लगातार नक्सलियों के निशाने पर आकर अपनी जान गंवा रहे भाजपा नेताओं ने पत्र के माध्यम से ध्यान आकृष्ट कराते हुए सुरक्षा की मांग की है। केन्द्रीय गृहमंत्री को लिखे पत्र में मुदलियार ने बताया कि बीजापुर घोर नक्सल प्रभावित क्षेत्र हैं। यहां बीते कुछ समय से लगातार नक्सलियों द्वारा भाजपा नेताओं की बेरहमी से हत्या की जा रही है।

दीपिका माइंस में बेकाबू डोजर पलटा, ऑपरेटर की बची जान

कोरबा (आरएनएस)। कोल इंडिया की मिनी रत्न कंपनी और सबसे ज्यादा लाभ देने को लेकर चर्चित साउथ ईस्टन लिमिटेड की कोरबा जिले में स्थित दीपिका ओपन कास्ट माइंस में हादसों का दौर जारी है । यहां पर आउटसोर्सिंग से कम कर रही एक निजी कंपनी के फेस में बेकाबू होकर डोजर पलट गया। घटना में ऑपरेटर की जिंदगी सुरक्षित होने से सभी ने राहत की सांस ली। अधिकारिक जानकारी के अनुसार साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड दीपिका क्षेत्र के द्वारा ओवर बर्डन हटाने सहित कई प्रकार के काम कलिंगा कम्पनी को दिए गए हैं। काफी संख्या में कर्मचारियों को ऐसे कार्यों में अटैच किया गया है ताकि कार्य निष्पादकता ज्यादा हो सके। बताया गया कि कलिंगा कंपनी के फेस में डोजर नियोजित था , जो ऑपरेशन के अंतर्गत एकाएक बेकाबू होने के बाद पलट गया जिससे यहां पर अजीब स्थिति निर्मित हो गई। इस डोजर को कलाम खान ऑपरेट कर रहा था जिसने किसी तरह खुद को बचा लिया। इस घटना में उसे सामान्य चोट आई हैं । खदान क्षेत्र में हादसा होने की जानकारी होने पर साथ में काम करने वाले लोगों ने संज्ञान लिया और खान रेस्क्यू सेंटर को अवगत कराया।

किसान सभा ने राजस्व अमले के रिश्वतखोरी के खिलाफ किया प्रदर्शन

कोरबा (आरएनएस)। छत्तीसगढ़ किसान सभा ने किसानों और भूविस्थापितों की राजस्व समस्याओं का निराकरण न करने और रिश्वतखोरी के खिलाफ तानसेन चैक से कलेक्ट्रेट तक रैली निकालकर कलेक्ट्रेट के सामने प्रदर्शन किया। प्रदर्शन का नेतृत्व किसान सभा के राज्य अध्यक्ष जवाहरसिंह कंवर, जिला सचिव दीपक साहू और उपाध्यक्ष प्रशांत झा ने किया। उल्लेखनीय है कि फौती, रोजगार सत्यापन, खसरा व नाम सुधार, नामांतरण, पत्रक में सुधार, अन्यत्र भूमि प्रमाण पत्र, मुआवजा का स्पष्टीकरण, एवार्ड की कापी जैसे अत्यावश्यक कार्यों के लिए किसानों और भूविस्थापितों को पटवारी और तहसील कार्यालय से लेकर कटघोरा एसडीएम कार्यालय तक बार-बार चक्कर लगाना पड़ता है। इन कार्यालयों में इन छोटे-मोटे कामों के लिए भी भारी-भरकम राशि की मांग की जा रही है। इससे किसानों और भूविस्थापित नौजवानों में काफी आक्रोश है। किसान सभा नेता प्रशांत झा ने आरोप लगाया है कि इन अत्यावश्यक कार्यों के न होने या समय पर न होने से किसानों और भू-विस्थापितों को मुआवजा, रोजगार एवं शासकीय कार्यों में काफी परेशानी हो रही है और वे शासकीय योजनाओं के लाभ से वंचित हो रहे है। किसान सभा नेताओं ने राजस्व के अमले द्वारा भू विस्थापित किसानों की लूट पर रोक लगाने की मांग करते हुए कलेक्टर को इस संबंध में ज्ञापन सौंपा है और समस्या हल न होने पर बड़े आंदोलन की चेतावनी दी है।किसान सभा के प्रदेश अध्यक्ष जवाहर सिंह कंवर ने कहा कि भू विस्थापित किसानों की राजस्व से संबंधित समस्याओं का समाधान नहीं हुआ तो जल्द रायपुर में मुख्यमंत्री के सामने भी प्रदर्शन किया जाएगा।

मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना से 105 बेटियों का हुआ विवाह

❒ विधायक इंद्रशाह मंडावी ने खुशहाल दाम्पत्य जीवन की दिया आशीर्वाद

मोहला (आरएनएस)। जिला मुख्यालय मोहला के दशहरा मैदान में मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना अन्तर्गत 105 जोड़ों का सामूहिक विवाह धार्मिक रीतिरिवाज से किया गया। मुख्यमंत्री कन्या विवाह आज की महंगाई की दौर में गरीब बेटियों के लिए वरदान साबित हो रहा है। ऐसे कई मां-बाप जो गरीबी के चलते अपनी बेटी का विवाह करने में सक्षम नहीं होते हैं, उनके लिए मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना वरदान साबित हो रहा है। मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना से गरीब बेटियों को अपने जीवन साथी चुनने और जीवन को संवारने का सुनहरा मौका साबित हो रहा है।

महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा स्थानीय दशहरा मैदान मोहला में 105 बेटियों का योजना अंतर्गत विवाह संपन्न कराया गया। इनमें मोहला व मानपुर विकासखंड से 40-40 जोड़ो का व अम्बागढ़ चौकी विकासखंड से 25 जोड़े का विवाह कराया गया।

कार्यक्रम में विधायक इंद्रशाह मंडावी, जिला पंचायत सदस्य नरसिंग भंडारी, मोहला सरपंच सरस्वती ठाकुर विशेष रुप से उपस्थित थे। महिला बाल विकास अधिकारी सी.एस. मिश्रा, विकासखंड परियोजना अधिकारी समेत अन्य अधिकारी-कर्मचारी और जनप्रतिनिधि, ग्रामीण उपस्थित थे।

उल्लेखनीय है कि शासन द्वारा योजनातर्गत 50 हजार रुपये सम्मान राशि दी जाती है। इनमें प्रत्येक जोड़ों को 21000 का चेक और विवाह आयोजन हेतु आठ हजार, उपहार सामग्री हेतु छ: हज़ार आदि दिये जाते हैं। इस अवसर पर विधायक मंडावी ने विवाह में शामिल जोड़ों को अपना आशीर्वाद दिया। उन्होंने नव दाम्पत्य जीवन की कामना करते हुए कहा कि यह शुभ अवसर है कि बिना किसी खर्च के सामाजिक रीति रिवाज और परिवार जनों की उपस्थिति में सामूहिक विवाह संपन्न हो रहा है। उन्होंने कहा कि, यह समाज के लिए एक संदेश और उदाहरण है।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना अनेक गरीब परिवारों के लिए सार्थक साबित हो रहा है। विवाह करने में असमर्थ परिवारों के लिए जीवन की सबसे बड़ी चिंता को दूर करने वाला अवसर है। इस अवसर पर जिला पंचायत सदस्य नरसिंग भंडारी ने उद्बोधन में कहा कि शासन की यह महत्वपूर्ण योजना है।

नेशनल हॉर्टिकल्चर फेयर 2024 में छत्तीसगढ़ के किसानों ने सीखे उन्नत उद्यानिकी के गुर

रायपुर (आरएनएस)। कर्नाटक की राजधानी बैंगलुरू में आयोजित नेशनल हॉर्टिकल्चर फेयर में छत्तीसगढ़ के किसानों ने हॉर्टिकल्चर के उन्नत तकनीक के गुर सीखे। विगत फरवरी माह में हुए इस आयोजन में बेमेतरा, कबीरधाम, राजनांदगांव, कोरबा, मुंगेली, खैरागढ़, सरगुजा, बालोद और दुर्ग जिले के 98 किसानों और तकनीकी सहायकों ने हिस्सा लिया।

बैंगलुरू में आयोजित नेशनल हॉर्टिकल्चर फेयर में देश के विभिन्न राज्यों के शासकीय उद्यानिकी विभागों के साथ-साथ उद्यानिकी से जुडे स्टेक होल्डर्स, उद्योग, अनुसंधान आदि द्वारा स्टॉल लगाकर उद्यानिकी के उन्नत एवं नवीन तकनीकों का प्रदर्शन किया गया। इस मेले में बागवानी से जुड़े कई विषयों पर कार्यशाला आयोजित की गई जैसे संरक्षित खेती, मृदारहित खेती-कोकोफोनिक्स और हाइड्रोफोनिक्स, मूल्य संवर्धन एवं अपशिष्ट उपयोग आदि। साथ ही बागवानी की पुष्प एवं फल प्रदर्शनी भी लगाई गई। यह मेला कृषि प्रौद्योगिकी सूचना केन्द्र (आई.सी.ए.आर.)-भारतीय बागवानी अनुसंधान संस्थान (आई.आई.एच.आर.), बैंगलुरू के द्वारा आयोजित किया गया था।

गौरतलब है कि आई.सी.ए.आर.के तहत आई.आई.एच.आर. बेंगलुरु एक शीर्ष संस्थान है जो सफल बागवानी हेतु नित नए तकनीक विकसित करता है। इन्ही अत्याधुनिक तकनीकों से उद्यानिकी किसानों को अवगत कराने हेतु संस्थान द्वारा प्रतिवर्ष राष्ट्रीय स्तर पर मेला आयोजित किया जाता है जिसमे कार्यशाला के माध्यम से कृषकों को प्रशिक्षित किया जाता है। साथ ही बागवानी की जीवंत प्रदर्शनी लगाकर सफल बागवानी के गुर सिखाए जाते है।

शाही स्नान करने उमड़ी नागा, साधु-संतों की भीड़

अस्त्र-शस्त्रों से लैस नागा बाबाओं, साधु-संतों का शौर्य प्रदर्शन

गरियाबंद (आरएनएस)। राजिम कुंभ कल्प मेला 2024 के अंतिम दिवस महाशिवरात्रि के पावन पर्व पर नागा बाबाओं, साधु-संतों, विभिन्न अखाड़ों ने शाही स्नान के लिए ऐतिहासिक शोभायात्रा संत समागम स्थल परिसर से सुबह 8 बजे निकाली गई। इस शोभा यात्रा में समस्त नागा, साधु-संतों के साथ अभनपुर विधायक इंद्र कुमार साहू, पर्यटन विभाग के उप संचालक प्रताप पारख, मेला आयोजन समिति के गिरीश बिस्सा के अलावा स्थानीय जनप्रतिनिधि व विभिन्न विभागों के अधिकारी भी शामिल हुए। शोभायात्रा में सुसज्जित पालकियों शाही बग्गी, घोड़ों में विभिन्न साधु-संत सवार थे। शोभायात्रा संत समागम से शुभारंभ होकर श्रीकुलेश्वरनाथ महादेव मंदिर के पीछे मार्ग से नेहरू बाल उद्यान होते हुए, राजिम पुल, पं. सुंदरलाल शर्मा चौक, गौरवपथ राजिम, व्हीआईपी मार्ग होते हुए मेला में बने शाही कुंड में पहुंचे। शोभायात्रा का स्वागत दोनों शहर नवापारा और राजिम में विभिन्न चौक चौराहों में फूलमालाओं बरसा कर किया गया। शोभायात्रा में विभिन्न चौक में अनेकों अस्त्र-शस्त्रों से लैस नागा बाबाओं, साधु-संतों का शौर्य प्रदर्शन करते हुए अखाड़े चलाते रहे। नागा साधुओं के तलवार और फरसा भांजते खुशी से नाचते देखकर मेले में आए अंचल वासी रोमांचित हो उठे। धीरे-धीरे आगे बढ़ता शोभायात्रा शाही कुंड के पास पहुंचा, जहां शस्त्र पूजन पश्चात सर्वप्रथम नागा बाबाओं ने कुंड में छलांग लगाई और शाही स्नान की प्रक्रिया पूरा की। नागा बाबाओं के साथ अभनपुर विधायक इंद्र कुमार साहू भी कुंड में डुबकी लगाने के लिए उतर गए। शाही स्नान करने विभिन्न अखाड़ों के साथ स्थानीय जनप्रतिनिधि शामिल हुए। इस विहंगम दृष्य को देखने पूरे मेला क्षेत्र के अलावा कुंड के पास बड़ी संख्या श्रद्धालुओं एवं दर्शनार्थी की भीड़ उमड़ी हुई थी। शाही यात्रा की भव्यता का आनंद लेने, फ्रांस, इटली के अलावा अन्य देशों से पहुंचे विदेशी पर्यटक भी शामिल हुए। सुरक्षा के मद्देनजर पुलिस की चाकचौबंध व्यवस्था थी। इस शाही यात्रा में सबसे पहले पंच दशनामी सन्याशी अखाड़ा के नागा साधु, अखिल भारतीय पंच रामानंदी वैष्णव अखाड़ा के तीनों अनी श्रीपंच निर्मोही अनि अखाड़ा, श्रीपंच निर्मोही दिगम्बर अखाड़ा, श्रीपंच निर्मोही निर्वाण, पंचायती अखाड़ा बड़ा उदासीन के अलावा करीब पंथ, सतनाम पंथ के संतों ने भाग लिया।

SJU - Contact No. +91 9301915303 E-mail ID- sjunion29@gmail.com

Social Justice Union
Registered with Govt. No. 5526

Join SJU

अधिकार से न्याय तक

आवश्यकता
इस संघ का गठनसम्पूर्ण छत्तीसगढ़ में पीड़ितो को न्याय दिलाने के लिए किया गया है, जिसे छत्तीसगढ़ शासन से मान्यता प्राप्त है, जिसका क्रमांक 5526 है, तथा सम्पर्क हेतु नं0 9301915303 है। इस संघ के गठन पर संघ के संरक्षक एवं लीगल एडवाईज़र श्री तथागत श्रीवास्तव (अधिवक्ता, माननीय उच्च-न्यायालय), एवं गर्वनिंग बोर्ड के सदस्यों कु0 सी.बी.वर्मा, श्रीमती ऐकता श्रीवास्तव, श्रीमती रजनी राकुन्डे एवं अन्य ने शासन को धन्यवाद ज्ञापित किया, और कहा कि संघ के पास सामाजिक अन्याय अथवा मानवाधिकार हनन सम्बंधी तथ्य के प्रस्तुत होने पर, उसे लिखित में शासन एवं प्रशासन में विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर आसीन एवं सक्षम व्यक्तियों के समक्ष संघ की ओर से प्रस्तुत किया जावेगा। साथ ही, विधि, न्याय सम्बंधी कार्य हाथ में लेकर बेसहारा, गरीब, परित्यका, विधवाओं के उत्थान के लिए कार्य किया जावेगा।

उद्देश्य एवं नियुक्तियां
मुख्य रूप से संघ का उद्देश्य छत्तीसगढ़ प्रदेश के समस्त जिलों एवं ब्लॉक स्तर में सामाजिक न्याय हेतु प्रचार-प्रसार करना, तथा मानवाधिकार हेतु जागरूकता पैदा करना है। संघ साक्षरता एवं अनौपचारिक शिक्षा के माध्यम से मानवाधिकार के सम्बंध में प्रचार प्रसार करना चाहता है। इस हेतु प्रदेश के समस्त जिलों एवं ब्लॉक स्तर पर सामाजिक न्याय एवं मानवाधिकार संरक्षण केन्द्र की स्थापना की जावेगी, और उनमें संघ के द्वारा आधिकारिक नियुक्तियाँ की जावेंगी। प्रत्येक व्यक्ति इस संघ में सदस्य बन सकता है, जिसके लिए संघ के द्वारा निर्धारित नियम एवं शर्तो का पालन किया जाना अनिवार्य है। इस हेतु सदस्यता फार्म संघ के प्रधान कार्यालय में उपलब्ध है।

मुख्य बिन्दु
प्रताड़ित एवं पीड़ित व्यक्ति की समस्याओं को सुनना, आवेदन लेना तथा पीड़ित को न्याय दिलाने के लिए उचित साधन एवं संसाधनों की जरूरत के अनुसार व्यवस्था करना मूल रूप से इस संघ का कार्य है। पीड़ित व्यक्तियों को न्यायिक, गैर-न्यायिक एवं सामाजिक समस्या पर विधिनुसार एवं संविधान के अनुसार आवश्यक मदद की जावेगी।

पीड़ित संपर्क करें
संघ विशेष रूप से मानवाधिकार दिलाने एवं सामाजिक न्याय प्राप्ति हेतु पीड़ित मानव की हर संभव मदद करेगा तथा इस हेतु पीड़ित मानव के लिए भारतीय संविधान के तहत् विधिक सहायता की व्यवस्था आवश्यकतानुसार करेगा। यदि कोई पीड़ित है तो इस संघ से सम्पर्क कर सकता है।

अन्य बिन्दु
- संघ पर्यावरण संरक्षण एवे पर्यावारण सम्बंधी चेतना हेतु भी जागरूकता लाने का प्रयास करेगा।
- पूरे छत्तीसगढ प्रदेश मे महिलाओं के अधिकार, श्रमिकों के अधिकार, आदिवासियों के अधिकार, अनुसूचित जाति-जनजातियों के अधिकारों के सम्बंध में विधिक एवं संवैधानिक रीति के कार्यक्रमों को इस संघ द्वारा संचालित किया जावेगा तथा प्रत्येक पीड़ित को उसके कर्तव्यों एवं अधिकारों के बारे में सचेत किया जावेगा। न्याय प्राप्ति हेतु हर संभव मदद की जावेगी।
- संघ शासन से मान्यता प्राप्त है, अतः शासन एवं प्रशासन में विभिन्न पदों पर आसीन् तक पीड़ित की परेशानी को आसानी से पहुँचाया जा सकता है। इस हेतु संघ शासन एवं प्रशासन में विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर आसीन व्यक्तियों से मुलाकात कर पीड़ित को न्याय दिलाने में समस्त सहायता भी करेगा।
- संघ द्वारा संवैधानिक शिक्षा एवं सामाजिक विकास से सम्बंधित रिसर्च कार्यक्रम किए जावेंगे, एवं समान उद्देश्यों वाली अंतर्राष्ट्रीय, राष्ट्रीय, सरकारी तथा गैरसरकारी संस्थाओं के साथ मिलकर काम किया जावेगा।
- संघ सामाजिक कुरीतियों को दूर करने के लिए कार्यशाला का आयोजन भी करेगा। संघ देश के भूले बिसरे पर महान विभूतियों के सम्मान में कार्यक्रम भी आयोजित कराएगा।

पढिए .... न्यायसाक्षी समाचार-पत्र

:: Address ::
Behind Stadium
Near Career
School, Raigarh,
C.G.
Pin 496001

www.nyaysakshi.com

सभी से अपील की गई है कि ज्यादा से ज्यादा संख्या में संघ से जुड़कर साथ का साथ दिया जावे ताकि प्रत्येक पीड़ित मानव को न्याय मिल सके एवं एक अच्छे समाज का निर्माण हो सके।

Join SJU Join SJU Join SJU Join SJU Join SJU